National Seminar on 'Indian Knowledge System'

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Aaj Samaj **Date: 24-04-2024**

हकेवि में भारतीय ज्ञान परम्परा पर केंद्रित संगोष्ठी का हुआ आयोजन

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के योग विभाग द्वारा मंगलवार को भारतीय ज्ञान परम्परा विषय पर केंद्रित राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में उत्तराखंड संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. दिनेश चंद्र शास्त्री उपस्थित रहे। कार्यक्रम में हकेवि की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव व प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव की गरिमामयी उपस्थिति रही। विश्वविद्यालय में आयोजित इस राष्ट्रीय संगोष्ठी को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता प्रो. दिनेश चंद्र शास्त्री ने भारतीय ज्ञान परम्परा के विभिन्न पक्षों से प्रतिभागियों को अवगत कराया। उन्होंने बताया कि किस तरह से पुरातन काल में भारत अपने ज्ञान के परिणाम स्वरूप एक मजबूत अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित था। उन्होंने अपने संबोधन में ज्ञान, विज्ञान, योग व भारतीय प्राचीन ग्रंथों के माध्यम से प्रतिभागियों को बताया कि भारत उस दौर में भी विश्व के समक्ष एक प्रमुख ज्ञान के केंद्र के रूप में स्थापित था और किस तरह से ब्रिटिश शासन ने भारत की पुरातन ज्ञान परम्परा को हानि पहुंचाई।

इससे पूर्व में विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने अपने संबोधन में इस आयोजन में उपस्थित अतिथि प्रो. दिनेश चंद्र शास्त्री व उनकी पत्नी डॉ. मृदुला सिंघल का स्वागत करते हुए कहा कि यह आयोजन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के निर्देशन व मार्गदर्शन में आयोजित हो रहा है। उन्होंने भारतीय ज्ञान परम्परा और उसके महत्त्व की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि हम हमेशा से ही ज्ञान के मोर्चे पर विश्व के अन्य देशों से आगे रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत विकसित अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित था और यही कारण था कि पहले विद्यार्थी, फिर सैलानी

और उसके बाद आक्रमणकारी भारत आए। इसी क्रम में विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि भारतीय ज्ञान परम्परा की जड़ें गहरी हैं। इस कार्यक्रम के आयोजन में प्रो. सुनीता तंवर, डॉ. खेराज, डॉ. सी.एम. मीणा, डॉ. किरण रानी, डॉ. सुमन रानी, डॉ. देवेंद्र सिंह राजपूत, डॉ. नीलम व डॉ. नवीन ने महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा की। मंच का संचालन डॉ. किरण रानी ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने प्रस्तुत किया। इस अवसर पर प्रो. पवन कुमार मौर्य, प्रो. दिनेश चहल, डॉ. रेनु यादव, डॉ. कामराज सिंधु सहित भारी संख्या में शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 24-04-2024**

ज्ञानवर्धन • हकेंवि में भारतीय ज्ञान परम्परा पर केंद्रित संगोष्ठी आयोजित

'पुरातनकाल में ज्ञान के परिणामस्वरूप भारत मजबूत अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित था : प्रो. दिनेंश शास्त्री

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेंवि के योग विभाग द्वारा मंगलवार को भारतीय ज्ञान परम्परा विषय पर केंद्रित राष्ट्रीय संगोष्ठी करवाई गई। कार्यक्रम में बतौर मुख्य वक्ता उत्तराखंड संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. दिनेश चंद्र शास्त्री उपस्थित रहे। हकेंवि की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव व प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव मौजूद रही। प्रो. दिनेश चंद्र शास्त्री ने भारतीय ज्ञान परम्परा के विभिन्न पक्षों से प्रतिभागियों को अवगत कराया।

उन्होंने बताया कि किस तरह से पुरातन काल में भारत अपने ज्ञान के परिणाम स्वरूप एक मजबूत

अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित था। उन्होंने बताया कि किस तरह से ब्रिटिश शासन ने भारत की पुरातन ज्ञान परम्परा को हानि पहुंचाई।

विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने प्रो. दिनेश चंद्र शास्त्री व उनकी पत्नी डॉ. मृदुला सिंघल का स्वागत करते हुए कहा कि यह आयोजन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के निर्देशन व मार्गदर्शन में आयोजित हो रहा है। उन्होंने कहा कि भारत विकसित अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित था और यही कारण था कि पहले विद्यार्थी, फिर सैलानी और उसके बाद आक्रमणकारी भारत आए। विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने कहा कि भारतीय ज्ञान परम्परा की जड़ें गहरी हैं। इसे जितना जानेंगे उतना ही ज्ञान प्राप्त होगा।

कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्जवलन के साथ हुई। कार्यक्रम में स्वागत भाषण योग विभाग की विभागाध्यक्ष व शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने प्रस्तुत किया जबकि विषय परिचय योग विभाग के प्रभारी डॉ. अजय पाल ने प्रतिभागियों के समक्ष रखा। कार्यक्रम के आयोजन में प्रो. सुनीता तंवर, डॉ. खेराज, डॉ. सी.एम. मीणा, डॉ. किरण रानी, डॉ. सुमन रानी, डॉ. देवेंद्र सिंह राजपूत, डॉ. नीलम व डॉ. नवीन ने महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा की।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Chetna **Date: 24-04-2024**

हकेवि में भारतीय ज्ञान परम्परा पर केंद्रित संगोष्ठी का हुआ आयोजन

चेतना ब्यूरो।

महेन्द्रगढ़।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के योग विभाग द्वारा मंगलवार को भारतीय ज्ञान परम्परा विषय पर केंद्रित राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में उत्तराखंड संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. दिनेश चंद्र शास्त्री उपस्थित रहे। कार्यक्रम में हकेवि की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव व प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव की गरिमामयी उपस्थिति रही। विश्वविद्यालय में आयोजित इस राष्ट्रीय संगोष्ठी को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता प्रो. दिनेश चंद्र शास्त्री ने भारतीय ज्ञान परम्परा के विभिन्न पक्षों से प्रतिभागियों को अवगत कराया। उन्होंने बताया कि किस तरह से पुरातन काल में भारत अपने ज्ञान के परिणाम स्वरूप एक मजबूत अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित था। उन्होंने अपने संबोधन में ज्ञान, विज्ञान, योग व भारतीय प्राचीन ग्रंथों के माध्यम से प्रतिभागियों को बताया कि भारत उस दौर में भी विश्व के समक्ष एक प्रमुख ज्ञान के केंद्र के रूप में स्थापित था और किस तरह से ब्रिटिश शासन ने भारत की पुरातन ज्ञान परम्परा को हानि पहुँचाई।

इससे पूर्व में विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने अपने संबोधन में इस आयोजन में उपस्थित अतिथि प्रो. दिनेश चंद्र शास्त्री व उनकी पत्नी डॉ. मृदुला सिंघल का स्वागत करते हुए कहा कि यह आयोजन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के निर्देशन व मार्गदर्शन में आयोजित हो रहा है। उन्होंने भारतीय ज्ञान परम्परा और उसके महत्त्व की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि हम हमेशा से ही ज्ञान के मोर्चे पर विश्व के अन्य देशों से आगे रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत विकसित अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित था और यही कारण था कि पहले विद्यार्थी, फिर सैलानी और उसके बाद आक्रमणकारी भारत आए। प्रो. सुषमा यादव ने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति का उल्लेख करते हुए कहा कि एक बार फिर से भारत इस नीति के माध्यम से अपना पुराना वैभव प्राप्त करने की ओर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि विज्ञान और संस्कृत का ज्ञान एक साथ मिलने से ही हम अपनी ज्ञान परम्परा का विकास कर सकते हैं और इस दिशा में योग भी एक महत्त्वपूर्ण माध्यम है।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 24-04-2024**

हकेंवी में भारतीय ज्ञान परंपरा पर केंद्रित संगोष्ठी आयोजित

संवाद सहयोगी, जागरण: महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के योग विभाग द्वारा मंगलवार को भारतीय ज्ञान परम्परा विषय पर केंद्रित राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में उत्तराखंड संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. दिनेश चंद्र शास्त्री उपस्थित रहे। कार्यक्रम में हकेंवि की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव व प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव की गरिमामयी उपस्थिति रही। विश्वविद्यालय में आयोजित इस राष्ट्रीय संगोष्ठी को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता ने भारतीय ज्ञान परम्परा के विभिन्न पक्षों से प्रतिभागियों को अवगत कराया। उन्होंने बताया कि किस तरह से पुरातन काल में भारत अपने ज्ञान के परिणाम स्वरूप एक मजबूत अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित था। उन्होंने अपने संबोधन में ज्ञान, विज्ञान, योग व भारतीय प्राचीन ग्रंथों के माध्यम से प्रतिभागियों को बताया कि भारत उस दौर में भी विश्व के समक्ष एक प्रमुख ज्ञान के केंद्र के रूप में स्थापित था और किस तरह से ब्रिटिश शासन ने भारत की पुरातन ज्ञान परम्परा को हानि पहुंचाई।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस मौके पर कहा कि भारतीय ज्ञान परम्परा और उसके महत्त्व की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि हम हमेशा से ही ज्ञान के मोर्चे पर विश्व के अन्य देशों से आगे रहे हैं।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Tribune **Date: 24-04-2024**

भारतीय ज्ञान परम्परा पर केंद्रित संगोष्ठी

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के योग विभाग द्वारा मंगलवार को भारतीय ज्ञान परम्परा विषय पर केंद्रित राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में उत्तराखंड संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. दिनेश चंद्र शास्त्री उपस्थित रहे। कार्यक्रम में हकेंवि की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव व प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव की गरिमामयी उपस्थिति रही। विश्वविद्यालय में आयोजित इस राष्ट्रीय संगोष्ठी को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता प्रो. दिनेश चंद्र शास्त्री ने भारतीय ज्ञान परम्परा के विभिन्न पक्षों से प्रतिभागियों को अवगत कराया। इससे पूर्व में विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने अपने संबोधन में इस आयोजन में उपस्थित अतिथि प्रो. दिनेश चंद्र शास्त्री व उनकी पत्नी डॉ. मृदुला सिंघल का स्वागत किया। विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने अतिथियों का स्वागत किया।

दैनिक ट्रिब्यून Wed, 24 April 2024
https://epaper.dainiktrib

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Amar Ujala **Date: 24-04-2024**

विज्ञान और संस्कृत के ज्ञान से होगा ज्ञान परंपरा का विकास

हकेंवि में भारतीय ज्ञान परंपरा पर केंद्रित राष्ट्रीय संगोष्ठी का हुआ आयोजन

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ के योग विभाग द्वारा मंगलवार को भारतीय ज्ञान परंपरा विषय पर केंद्रित राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता प्रो. दिनेश चंद्र शास्त्री ने भारतीय ज्ञान परंपरा के विभिन्न पक्षों से प्रतिभागियों को अवगत कराया।

उन्होंने बताया कि किस तरह से पुरातन काल में भारत अपने ज्ञान के परिणाम स्वरूप एक मजबूत अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित था। ज्ञान, विज्ञान, योग व भारतीय प्राचीन ग्रंथों के माध्यम से प्रतिभागियों को अवगत कराया कि भारत उस दौर में भी विश्व के समक्ष एक प्रमुख ज्ञान के केंद्र के रूप में स्थापित था और किस तरह से ब्रिटिश शासन ने भारत की पुरातन ज्ञान परंपरा को हानि पहुंचाई। इससे पूर्व में विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा और उसके महत्त्व की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि हम हमेशा से ही ज्ञान के मोर्चे पर विश्व के अन्य देशों से आगे रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत विकसित अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित था और यही कारण था कि पहले विद्यार्थी, फिर सैलानी और उसके बाद आक्रमणकारी भारत आए। प्रो. सुषमा यादव ने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति का उल्लेख करते हुए कहा कि एक बार फिर से भारत इस नीति के माध्यम से अपना पुराना वैभव प्राप्त करने की ओर अग्रसर है।

प्रतिभागियों के साथ प्रो. दिनेश चंद्र शास्त्री, प्रो. सुषमा यादव व प्रो. सुनीता। स्रोत- हकेंवि

भूगोल में रोजगार की अपार संभावनाएं :डॉ. मीणा

कनीना। राजकीय महाविद्यालय कनीना में भूगोल विभाग के तत्वावधान में भूगोल विषय में रोजगार के अवसर पर व्याख्यान आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि हकेंवि से प्रो. मुरारी लाल मीणा रहे। उन्होंने बताया कि भूगोल विषय में रोजगार के अपार अवसर है। भूगोल के विद्यार्थी कार्टोग्राफी, सेटेलाइट टेक्नोलॉजी, जनसंख्या परिषद, मौसम विभाग, आपदा प्रबंधन, पर्यावरण विज्ञान, शिक्षा आदि में रोजगार पा सकते हैं।

हकेंवि में सीआरई कार्यक्रम आयोजित

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में भारतीय पुनर्वास परिषद, नई दिल्ली के सहयोग से मंगलवार को एक दिवसीय ऑनलाइन सतत पुनर्वास शिक्षा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। क्लिनिकल साइक्लोजिस्ट सी दीपक ने विशेष श्रेणी के विद्यार्थियों के लिए शिक्षा एक वरदान विषय पर विचार व्यक्त किए। शिक्षा के महत्त्व और उसके माध्यम से संभव सुधार पर प्रकाश डाला।